

नम्बर  
अहक  
हुकम  
में

हक्र २/१ प्रेमराजिकें

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

०५/२०१८

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुकम की तामील  
में जारी हुए

१०.८.२०

पञ्जाबी-येर/शुभेशेकर ३५०  
येकर निवेदन किया की वार में कुछ  
कमी-शर होने की वजह से इस वार  
को-२५ NO Instructions के फी में  
लौक करण-यायते में नया शुभः  
नया-वार प्रस्तुत करण-यायते में  
अतः शुभेशेकर का यह निवेदन  
स्वीकार किया जाना में नया-२६-०१२  
को-२५ NO Instructions करे-द्वि लौक  
किया जाना पञ्जाबी-येर/शुभेशेकर-  
येकर वार-पुस्तक सही-नया-२५०२५

शुभः पेश करे  
की अनुमति  
के साथ

NO instructions

२६  
नरवीर  
१०.८.२०

सहायक कलक्टर  
(S.D.O.) खीवस

सेवाओं,

2/11/15  
22/11/15



श्रीमान सहायक कलक्टर (S.D.O.) महाराष्ट्र

खीरवाड़ा

वाडी

अनाम

प्रतिवादीगण

राज्य सरकार

प्रेमराजसिंहकोंठ

वाद अन्तर्गत धारा 80, 188 R.T.A. एवं धारा 136 L.R.A.

आवेदन अन्तर्गत धारा 10 C.P.C. संपर्कित धारा 151 C.P.C.

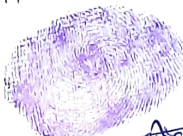
श्रीमान जी, प्रतिवादीगण की ओर से निवेदन है कि -

(1) यह है कि वादग्रस्त भूमि का उपरोक्त पक्षकारान एवं उनके वारिसान के मध्य एड नियमित राजस्व वाद सं. 133/16 अथवा वान प्रतापसिंहकोंठ अनाम गुमानसिंहकोंठ, बंरवाड़ा, खातेदारी चोषणा व स्पाई निवेधाज्ञा का न्यायालय हाजा में विचाराधीन है। पिलमें पक्षकारान द्वारा अपने हिस्से एवं बंशावली अनुसार बंरवाड़ा एवं अलग खातेदारी चाही गई है। जब न्यायालय हाजा में बंरवाड़ा एवं खातेदारी चोषणा का पहले से ही नियमित वाद विचाराधीन है, उस स्थिति में पश्चातवृत्ति से ग्रीकेशन का वाद चलने योग्य नहीं है।

(2) यह है कि वाडी राज्य सरकार द्वारा यह वाद मृत पक्षकारों के विरुद्ध पेश किया है मृत पक्षकारों के विरुद्ध पेश किया गया वाद चलने योग्य नहीं है। अतः प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन है कि

वादग्रस्त भूमि का बंरवाड़ा, खातेदारी चोषणा व स्पाई निवेधाज्ञा का नियमित वाद पहले से ही विचाराधीन होने से पश्चातवृत्ति से ग्रीकेशन का वाद चलने योग्य नहीं होने से इस वाद को रोकने के लिए मृत पक्षकारों के विरुद्ध पेश किया हुआ होने से खारिज किए जाने के आदेश फरमानों दिनांक 11.6.19

प्रमाण



अति मंगलसिंह



अति पुनीत

अति निवेदा